

गौरी नन्द गणेशा | By Sheetal Holkar

प्रथम मनाऊंगा मैं
घर को सजाऊंगा मैं
भोग लगाऊंगा मैं
झूम झूम गाऊंगा मैं
बिनती करूँ मैं तो से सुनले हे गणराजा
गौरी नन्द गणेशा मोरे अंगना में आज्ञा

मोरे अंगना में आज्ञाराजा

गणपति बप्पा मेरी भी कुटिया में आ जाओ
सोइ हुई तकदीर फिर से जगाओ
मोरे अंगना में आज्ञाराजा

तुम दीन दयाल हो जग वन्दन
हे गणपति बप्पा विघ्न हरण
आये हैं हम सब तुमरी शरण
भक्तों को भी देदो तुम दर्शन
जब याद तिहारी आती है
अँखियाँ नीर बहाती हैं
गाते हैं सदा से तुमरे भजन
हे गणपति बप्पा विघ्न हरण

मोरे अंगना में आज्ञाराजा

खजराना के राजा मोरे अंगना में आज्ञा
बड़ा गणपति राजा मोरे अंगना में आज्ञा
खड़ा गणपति राजा मोरे अंगना में आज्ञा
श्री सिद्धि विजय महाराजा मोरे अंगना में आज्ञा
सिद्धि विजय महाराज मोरे अंगना में आज्ञा
लाल बाग़ के राजा मोरे अंगना में आज्ञा
पड्यौँ पडूँ में तोहरे ओ मोरे महाराजा
गौरी नन्द गणेशा मोरे अंगना में आज्ञा

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a5%8c%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a6-%e0%a4%97%e0%a4%a3%e0%a5%87%e0%a4%b6%e0%a4%be-by-sheetal-holkar/>